मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 93, मुंबई, सोमवार, 24 मई, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
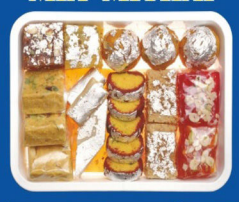
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

BODYVEDA
SPA MASSAGE PARLOR
खुलेआम उड़ा रहा था लॉकडाउन की धज्जियां

दै. मुंबई हलचल की टीम ने स्टिंग ऑपरेशन करके Bodyveda स्पा व मसाज पार्लर का किया खुलासा

इसी तरह मुंबई में कई और स्पा मसाज पार्लर हैं जो लॉकडाउन में कानून के आंख में धूल झोंक कर अपना धंधा जोरों पर चला रहें हैं, ऐसे कानून का उल्लघंन करने वाले स्पा मसाज पार्लरों का दै. मुंबई हलचल जल्द करेगा खुलासा

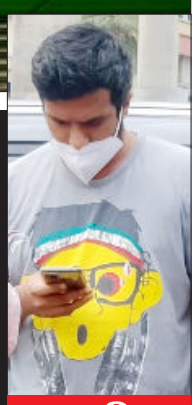
स्पा मालिक रोशन शेट्टी

संवाददाता / मुंबई। कोविड-19 के समय पर हमारे देश में आम नागरिक, व्यापारी सभी परेशान हैं कोरोना महामारी के चलते पूरे देश सहित मुंबई में लॉकडाउन लगाया गया है सभी दुकानें बंद है, सलून, स्पा, मसाज, पार्लर सभी के पूर्ण रूप से बंद होने के आदेश दिए गए हैं, फिर भी रोशन शेट्टी जैसे लोग पीछे के दरवाजे से अपना मसाज पार्लर चला रहे हैं। रोशन शेट्टी का सहयोगी राम नामक व्यक्ति जो दलाल है, ग्राहकों से फोन पर बात करना उनको मसाज पार्लर के अंदर भेजना फिर चोर दरवाजा बंद कर देना यह सब काम पीछे के चोर दरवाजे से किया जाता है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

चोरी-छिपे पीछे के दरवाजे से चला रहे थे मसाज पार्लर

एक करोड़ की चरस के साथ 75 वर्षीय महिला समेत दो...
ड्रग पेडलर्स गिरफ्तार

छापेमारी के दौरान घर से 3 किलो 800 ग्राम मनाली चरस किया गया बरामद

संवाददाता

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच को एक बड़ी सफलता मिली है। मुंबई अपराध शाखा यूनिट-7 ने शनिवार शाम को मुंबई के बांद्रा इलाके से दो ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक 75 वर्षीय महिला भी शामिल है। इतना ही नहीं उन्होंने एक करोड़ रुपये मूल्य से ज्यादा की चरस भी बरामद की है। ड्रग पेडलर के पास से 3 किलो 800 ग्राम मनाली चरस बरामद की गई है। पकड़े गए पदार्थ की कीमत 1 करोड़ 18 लाख, 80 हजार रुपये है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जरूरी युद्ध विराम

पिछले ग्यारह दिनों से चल रहे जिस फलस्तीन-इजरायल युद्ध ने सारी दुनिया को सांसत में डाल रखा था, उसमें आखिरकार युद्धविराम की घोषणा हो गई। वर्ष 1967 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद यह फलस्तीन और इजरायल के बीच सबसे बड़ा संघर्ष था। अब तक के सभी अरब-इजरायल युद्धों की तरह यह भी निर्णायक नहीं हुआ और दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया। हमास का कहना है, उसने इजरायली हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया और इजरायल ने कहा कि उसने हमास के सैकड़ों लड़ाकों को मार गिराया। जीत के दावे अपनी जगह, लेकिन वास्तविकता यही है कि इस लड़ाई के असली शिकार भी दोनों पक्षों के आम नागरिक ही हैं। हमास का कहना है कि इस जंग में 253 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें 65 बच्चे हैं। करीब 2,000 नागरिक इस लड़ाई में जख्मी हुए हैं। उधर इजरायल के 12 नागरिक मारे गए हैं, जिनमें एक सैनिक और एक बच्चा है। फलस्तीन में इस युद्ध से जो इमारतें गिरी हैं और बुनियादी सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है, वह फलस्तीनियों के पहले से ही कठिन जीवन को और कठिन बना देगा। दूसरी ओर, इजरायल को पता चल गया है कि तमाम सैनिक वर्चस्व के बावजूद हमास पर निर्णायक जीत निकट भविष्य में संभव नहीं है और तमाम आयरन डोम सुरक्षा के उसके नागरिक पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। यह बहुत स्पष्ट है कि फलस्तीन-इजरायल विवाद का कोई निर्णायक हल युद्ध से नहीं निकल सकता। आखिरकार यह विवाद भी आपसी बातचीत और समझदारी से ही सुलझना है, लेकिन अभी दोनों पक्षों के पास ऐसा प्रभावी नेतृत्व नहीं है, जो शांति के लिए पहल कर सके, न अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में ऐसा कोई तटस्थ मध्यस्थ है, जिसकी ऐसी विश्वसनीयता हो। ऐसे विवादों में जो अक्सर होता है, वही यहां भी हुआ है कि दोनों तरफ के अतिवादियों ने मध्यमार्गी और शांतिप्रिय शक्तियों को हाशिये पर धकेल दिया है। लंबी खिंचती शांति-प्रक्रिया में धीरे-धीरे मध्यमार्गी फलस्तीनी मुक्ति संगठन और फलस्तीन के अधिकृत नेता महमूद अब्बास को अप्रासंगिक बना दिया है। उग्रवादी संगठन हमास के हाथों में असली ताकत है। हमास को इजरायल, अमेरिका और अन्य कई देश आतंकी संगठन मानते हैं। दूसरी तरफ, इजरायल में कट्टर दक्षिणपंथी ताकतें राजनीति में वर्चस्व बनाए हुए हैं। अगर इस लड़ाई से वास्तव में किसी को फायदा हुआ है, तो वह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हैं। अगर यह लड़ाई न होती, तो नेतन्याहू के हाथ से गद्दी खिसक जाना तय था, क्योंकि वह बहुमत खो चुके थे। अब वह अगले चुनाव तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। वैसे भी, पिछले लंबे दौर से नेतन्याहू राजनीतिक उथल-पुथल व भ्रष्टाचार के आरोपों से निपटने के लिए उग्र राष्ट्रवाद का सहारा ले रहे हैं। यह जंग अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की पहली अंतरराष्ट्रीय परीक्षा थी और वह भी इसमें उत्तीर्ण नहीं हुए। उनका ढुलमुल रवैया और जंग को रोक पाने में उनकी विफलता से अमेरिका के प्रगतिशील और उदार तबके में उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है। अगर मध्य-पूर्व में कोई शांति की पहल कर सकता है, तो वह अमेरिका ही है और इसके लिए उसे अपने फौरी स्वार्थों को कुछ देर किनारे करना पड़ेगा। देखना यह है कि कौन अमेरिकी राष्ट्रपति यह हिम्मत दिखा पाता है।

कोरोना काल के नए-अनोखे धंधे

एक शोध-सर्वे से साफ हुआ कि कोरोना की हाल की लहर में जिन लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा, उन्हें हजारों करोड़ रुपये खर्च करने पड़े। अस्पताल जाने वाले हर परिवार ने औसतन डेढ़ लाख रुपये खर्च किए हैं। अस्पताल, चिकित्सा के बिजनेस चकाचक हो गए हैं। तमाम तरह के टेस्ट करने वाली एक पैथोलॉजी लैब के शेयर के भाव एक साल में करीब 78 प्रतिशत उछल गए हैं। अब और कितनी कमाई हो कोरोना, डाइबिटीज आदि के टेस्टों से। जिंदगी बड़े इम्तिहान लेती है और समय-समय पर टेस्ट भी लेती रहती है। ये टेस्ट-वे टेस्ट। तमाम तरह के मेडिकल टेस्टों समेत। दूर-दराज के एक सरकारी स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत एक डॉक्टर मित्र नाराज होकर बता रहे थे कि उनके यहां तो नॉर्मल टाइम में भी काम न होता। मतलब नेचुलर निकम्मापन है। उनका आशय यह था कि दूर-दराज के स्वास्थ्य केंद्रों के निकम्मेपन पर मीडिया की नाराजगी ठीक नहीं है। उस निकम्मेपन को सहज भाव ले लिया जाना चाहिए। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में मेरा मित्र काम करता है, बहुत कम काम करता है, पर कविता करता है और करीब 36 काव्य संस्थाओं से वह कोरोना योद्धा होने का सार्टिफिकेट ले आया है। बंदा दफ्तर में निकम्मा हो, पर जुगाड़ सही हो तो कोरोना योद्धा घोषित हो सकता है। कोरोना ने जाने क्या-क्या दिखाया है?

एक राज्य से समाचार आया कि वहां बंदों को नकली रेमडेसिविर सप्लाई की गई, फिर भी वहां लोग स्वस्थ हो गए। लोग नीम का काढ़ा पीकर स्वस्थ हो रहे हैं, नकली रेमडेसिविर लेकर स्वस्थ हो रहे हैं। एक एक्सपर्ट डॉक्टर ने बताया कि एक प्रयोग और संभव है-कोरोना के मरीजों को उनके घर वालों से, पड़ोसियों से गालियां दिलवाई जाएं कि लापरवाह है, बिना मास्क के घूमता है। बहुत संभव है कि इतने या उतने प्रतिशत मरीज गाली खाकर भी ठीक हो जाएं। फिर झुनझुनपुरा मेडिकल रिसर्च जर्नल छाप सकता है कि भारत में मरीज गाली खाकर भी ठीक हो रहे हैं। ये-ये गालियां खाकर ठीक हुए। फिर इन गालियों के वाचन की सीडी, वीडियो बन जाएंगे और हर घर से गालियां सुनाई देने लग जाएंगी। गालियों की जैसी वैराइटी है यहां, वैसी शायद ही किसी ओर देश में हो। अवध की गालियां अलग, ब्रज की गालियां अलग, बुंदेलखंड की गालियां अलग। गाली ही गाली, खा तो लें। देश मेरा रंगरेज है बाबू, घाट-घाट यहां घटता जादू। कोरोना ने कैसे-कैसे धंधे पेश कर दिए हैं। कोरोना में गए बंदे के साथ उसके घरवाले तक खड़े होने में कतराते हैं। ऐसे में कइयों ने धंधे खड़े कर लिए। तीस हजार दीजिए, जाने वाले को सम्मान के साथ विदा करवा देंगे। थोड़े ज्यादा पैसे दीजिए तो जाने वाले को महान बता ही न देंगे, बल्कि साबित भी कर देंगे। हर चीज का पैकेज है। आप तो बस रकम ले कर आ जाओ। कोरोना की खबर फैली ही थी कि एक मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव का फोन आ गया। बोला, परेशान न होइए, आपका इंतजाम हम कर देंगे। यहां इतनी रकम ट्रांसफर कर दीजिए, आपके जाने के बाद हम आपको सबसे बड़ा लेखक घोषित करवा देंगे। आप चिंता मत कीजिए, बस निकल लीजिए आराम से। बाकी तो हम हैं न। मैंने उसे बताया, देखिए, माइल्ड टाइप का कोरोना है, फिट हो जाऊंगा। फिर भी मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव ने जोर दिया, आप चिंता न करें, कोरोना से नहीं गए तो भी हम आपको महान घोषित करवा देंगे। हमारे पास पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर है किसी को भी महान घोषित कराने का। आपके ही पड़ोसी विकट भ्रष्ट अफसर को जाने के बाद हमने मानवीय संवेदनाओं से परिपूरित इंसान जैसा कुछ घोषित कराया है। आप तो बस निकल लो, आपको महान घोषित करवाना हमारा जिम्मा।

मैंने कहा अभी जाने का मेरा कोई इरादा नहीं है। मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव निराश टाइप हो गया। कोरोना ने इंगलिश अध्यापन के सामने नई चुनौतियां पेश कर दी हैं। इंगलिश के अध्यापक बच्चों से पूछ रहे हैं कि रेमडेसिविर की स्पेलिंग बताओ, टोसिलिजुमाब की स्पेलिंग बताओ। जो बच्चे इनकी स्पेलिंग न बता पाएं, उन्हें कोरोना इंगलिश निगेटिव घोषित किया जाए। रेमडेसिविर और टोसिलिजुमाब से पीछा छूटने वाला नहीं है। एक्सपर्ट बता रहे हैं-तीसरी लहर आन वाली है। मामला कुछ ऐसा है कि जिस बंदे का तूफान में बनियान, शर्ट सब उड़ लिया हो, उसे बताया जा रहा हो, बेटे तैयार हो ले, अगला तूफान भी चल दिया है। तैयार रह। अब और कैसे तैयार रहें।

वैक्सीनेशन पर बेहिसाब खर्च होगा

अब इसका कोई अंदाजा नहीं लगा सकता है कि देश के हर नागरिक को वैक्सीन लगाने पर कितना खर्च आएगा। भारतीय स्टेट बैंक ने एक मॉडल बना कर खर्च का अनुमान लगाया है। उसने पांच डॉलर से लेकर 40 डॉलर तक वैक्सीन की कीमत का पैमाना तय करके जो अनुमान लगाया है उसके मुकाबले अधिकतम तीन लाख 70 हजार करोड़ रुपया खर्च होगा, देश के हर नागरिक को वैक्सीन लगवाने में। उसके आकलन के मुताबिक बिहार में कुल बजट खर्च का 12 फीसदी हिस्सा सिर्फ वैक्सीनेशन पर खर्च हो सकता है। उसने इसी तरह के अनुमान अलग अलग राज्यों के लिए जाहिर किए हैं। इस अनुमान को भी अंतिम नहीं माना जा सकता है क्योंकि किसी को पता नहीं है कि आने वाले दिनों में वैक्सीन किस दर पर मिलेगी। राज्यों ने वैक्सीन के लिए ग्लोबल टेंडर करना शुरू कर दिया है पर ग्लोबल टेंडर इस बात की गारंटी नहीं है कि उन्हें समय से वैक्सीन मिल जाएगी। अगर वैक्सीन मिल भी जाती है तो उसकी कीमत क्या होगी, इसकी गारंटी कोई नहीं कर सकता है। भारत में वैक्सीन बना रही दोनों कंपनियों ने जो कीमत तय की है उस कीमत पर भी राज्यों को वैक्सीन मिल जाए तो

गनीमत है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि हर नागरिक को लगाने लायक वैक्सीन इन दो कंपनियों से नहीं मिल पाएगी। ध्यान रहे आने वाले दिनों में 18 साल से कम उम्र के बच्चों को भी वैक्सीन लगाई जानी है। इसका मतलब है कि पूरी आबादी को वैक्सीन लगेगी और उसमें भी सिर्फ दो डोज से काम नहीं चलने वाला है।

कई राज्यों ने वैक्सीन के लिए जो ग्लोबल टेंडर डाले हैं और वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों से उनकी जो बात हो रही है उससे पता चला रहा है कि कंपनियां कई गुना ज्यादा दाम बता रही हैं। सोचें, अगर ग्लोबल टेंडर में भारत की कंपनियां नहीं शामिल होती हैं या कम वैक्सीन की आपूर्ति करती हैं और विदेशी कंपनियां कई गुना ज्यादा कीमत मांगती हैं तो राज्य क्या करेंगे? दुनिया की ज्यादातर वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों ने पहले से करार किया हुआ है और एडवांस लिया हुआ है। उन्हें पहले अपना करार पूरा करना होगा। सो, आने वाले दिनों में वैक्सीन का बड़ा संकट खड़ा होगा। यह स्वास्थ्य का संकट भी होगा और आर्थिक संकट भी। केंद्र सरकार ने राज्यों को और पूरे देश को इस संकट में डाला है। पिछले साल अगस्त में दुनिया भर के देशों ने वैक्सीन के ऑर्डर देने शुरू कर दिए थे। विकसित देशों ने अपनी आबादी से कई गुना ज्यादा वैक्सीन की डोज के ऑर्डर दिए। भारत सरकार ने राज्यों से यह तो कह दिया कि वे वैक्सीन नहीं खरीद सकते हैं, सारी खरीद केंद्र सरकार करेगी। लेकिन एक डोज का ऑर्डर नहीं दिया। भारत सरकार ने जनवरी तक कोई बड़ा ऑर्डर किसी कंपनी को नहीं दिया। फिर एक दिन अचानक राज्यों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया। केंद्र ने कह दिया कि राज्य वैक्सीन खुद खरीदें और वह भी कंपनियों की तय की हुई कीमत पर। सो, अब सिर्फ वैक्सीन लगवाने में राज्य कंगाल होने वाले हैं। इसका खर्च लाखों करोड़ रुपए होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पी 305 बजरे के अबतक 70 कर्मियों की मौत

16 लापता लोगों के लिए नौसेना का अभियान जारी

मुंबई। नौसेना ने कहा है कि रविवार को चार और शव मिलने के साथ ही चक्रवात ताउते के दौरान बजरा पी 305 के डूब जाने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 70 हो गयी और वह इस बजरे एवं टगबोट (खींचने में इस्तेमाल आने वाली नौका) वरप्रदा से लापता समझे जा रहे 16 और व्यक्तियों की तलाश में वह जुटी हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि वैसे लापता हुए लोगों की सूची तब काफी छोटी हो जाने की आशंका है जब यह पुष्टि हो जाएगी कि पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र और गुजरात में तटों के आसपास जो 14 शव

मिले हैं, वे बजरा और टगबोट पर सवार लोगों के ही शव हैं। अधिकारी ने कहा, 'अपतटीय क्षेत्र में जो शव मिल मिले हैं, उनकी शिनाख्त होनी अभी बाकी है।' उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के रायगढ़ तट के पास आठ और गुजरात के वलसाड तट पर छह शव मिले हैं। शनिवार को नौसेना के गोताखोरों ने पी 305 बजरे के मलबे का पता लगा लिया। पी 305 बजरा सोमवार को डूब गया था। उसपर 261 लोग सवार थे। उनमें से 70 की मौत हो गयी जबकि अबतक 186 लोग बचा लिये गये हैं तथा पांच का अबतक पता नहीं चला है। उन ग्यारह लोगों का भी कोई अता-पता नहीं चला है, जो टगबोट वरप्रदा पर सवार थे। यह टगबोट भी चक्रवात के दौरान गहरे समुद्र में चला गया था। अबतक इस टग बोट के दो कर्मियों को बचाया जा सका है। अधिकारी ने कहा कि लापता कर्मियों की तलाश रातभर चलेगी तथा नौसेना ने तलाश एवं बचाव अभियान को मजबूती प्रदान करने के लिए विशेष गोताखोर टीमें तैनात की है। रविवार बचाव एवं तलाशी अभियान का सातवां दिन रहा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर माता-पिता को किया सतर्क

मुंबई। देश में कोविड-19 महामारी की मौजूदा भयावह लहर और विशेषज्ञों द्वारा तीसरी लहर की चेतावनी के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लोगों से बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर अधिक सतर्क रहने की अपील करते हुए रविवार को कहा कि बच्चों में कोई भी लक्षण आने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ठाकरे ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राज्य के विभिन्न हिस्सों के करीब 6300 बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों को संबोधित करते हुए कहा कि रोग का तत्काल पता लगाना ही मौजूदा समय की मांग है। उन्होंने कहा, 'बच्चों में किसी भी प्रकार के

लक्षण को लेकर लापरवाही न बरतें, तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।' मुख्यमंत्री के साथ हुई इस बैठक में बच्चों में कोविड-19 को लेकर बनाए गए कार्य दल के सदस्यों ने भी हिस्सा लिया। इसमें बच्चों में कोविड-19 के इलाज के लिए दिशा-निर्देशों पर भी चर्चा की गयी। ठाकरे ने महामारी के खिलाफ जारी लड़ाई में चिकित्सा बिरादरी के योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि डॉक्टरों को बच्चों के माता-पिता से बात कर उनके भीतर मौजूद डर को निकाल विश्वास पैदा करना चाहिए। ठाकरे ने कहा, 'बच्चों के इलाज को लेकर हमें अपने डॉक्टरों पर पूरा विश्वास है। डॉक्टरों को बच्चों के माता-पिता को उचित सलाह देनी चाहिए। कोविड-19 महामारी का खतरा अभी भी काफी बड़ा है।'

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

अगर आपके जानकारी में कोई ऐसी ईमारत या कोई पेड़ गिरने वाला है और उससे लोगों की जान को खतरा हो सकता है तो उसके लिए आप क्या कर सकते है?

उत्तरः मुंबई जैसे शहर में जहाँ कई पुरानी इमारतें हैं, वहां अक्सर ही इमारत के गिरने की खबर आती है। और तो और जरा सी बरसात से कई जगह पेड़ भी गिर जाते हैं। जाहिर सी बात है की ये ईमारत और पेड़ पहले से ही कमजोर रहे होंगे। तो जब हमे मालूम हो की ऐसे पेड़ या ईमारत हमारे आस- पास मजूद हैं तो हम ऐसे हादसे को टालने के लिए क्या किया जा सकता है। हमारे कानून में ही ऐसे प्राविधान हैं जिससे हम इन हादसों को ताल सकते है, आइए जानते हैं उसके बारे में. सर्वप्रथम तो पुलिस में उस पेड़ या ईमारत की जानकारी दें. सीआरपीसी की धरा १३३ १ (घ) के तेहत कोई न्यूसेन्स हटाने के लिए सशर्त आदेश का प्राविधान है। जिसके अंतर्गत १) जब किसी जिला मजिस्ट्रेट या उपखंड मजिस्ट्रेट का या राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त विशेषतया सशक्त किसी अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट का किसी पुलिस अधिकारी से रिपोर्ट या अन्य इत्तिला प्राप्त होने पर और ऐसा साक्ष्य (यदि कोई हो) लेने पर, जैसा वह ठीक समझे, यह विचार है कि

(घ) कोई भवन, तंबू, संरचना या कोई वृक्ष ऐसी दशा में है कि संभाव्य है कि वह गिर जाए और पड़ोस में रहने या कारवार करने वाले या पास से निकलने वाले व्यक्तियों को उससे हानि हो, और परिणामतः ऐसे भवन, तम्बू या संरचना को हटाना, या उसकी मरम्मत करना या उसमें आलंब लगाना, या ऐसे वृक्ष को हटाना या उसमें आलांब लगाना आवश्यक है। ऐसे भवन, तंबू या संरचना को हटाए, उसकी मरम्मत कराए या उसमें आलम्ब लगाए अथवा ऐसे वृक्षों को हटाए या उनमें आलंब लगाए। मजिस्ट्रेट द्वारा इस धारा के अधीन सम्यक रूप से दिए गए किसी भी आदेश को किसी सिविल न्यायालय में प्रश्नगत नहीं किया जाएगा। इसके अलावा आप संविधान के अनुच्छेद २१ के तेहत हाई कोर्ट में पेटिशन फाइल कर सकते है।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।
Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

(पृष्ठ 1 का शेष)

Bodyveda स्पा मसाज पार्लर उड़ा रहा था लॉकडाउन की धज्जियां

राम (दलाल) ग्राहकों से फोन पर बात करता हमारे पत्रकार ने राम से फोन पर बात की राम ने कहा सर आप अपॉइंटमेंट ले लीजिए मसाज का 1500 एक्स्ट्रा सर्विस का चार्ज एक्स्ट्रा लगेगा, हमारी टीम ने 4:00 बजे का अपॉइंटमेंट लिया जब हमारी टीम ने अपॉइंटमेंट लिया उस समय हमारी टीम अंबोली पुलिस स्टेशन में मौजूद थी। जब हमारी टीम में राम (दलाल) से बात की तो हमारा फोन स्पीकर में था पुलिस ऑफिसर ने सब सुना कि राम किस प्रकार से बात कर रहा है। अंबोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सोमेश्वर कामठे जी ने अपनी एक टीम हमारे साथ Bodyveda मसाज पार्लर भेजी, वहां पहुंचकर 4:00 बजे राम (दलाल) ने हमारे पत्रकार को कहा की हमारे

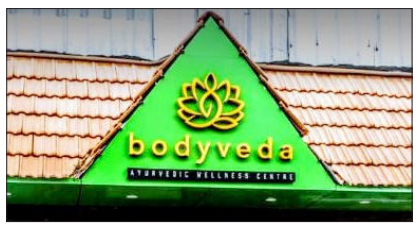

बॉस रोशन शेट्टी आपको फोन करेंगे मैंने उनका नंबर आपको भी मैसेज कर दिया है रोशन शेट्टी के लोग स्पा के बाहर घूमते रहते हैं राम भी वहां पर मौजूद था लेकिन सामने नहीं आया उनको मालूम पड़ चुका था की पुलिस आ चुकी है रोशन शेट्टी ने तुरंत हमारे पत्रकार को फोन किया और धमकाने लगा जब पुलिस ने छापा मारा पीछे का चोर दरवाजा खुला हुआ था वहां पर एक लड़की मिली बाकी फरार हो चुके थे मिली लड़की ने कहा मैं यहां पर सफाई करने आई हूं उसने कहा राम भी यहीं पर था अभी अभी गया है तकरीबन कुछ समय बाद स्पा का मालिक वहां पर पहुंचा जिस ने कहा मैं राम को नहीं जानता बाद में उसने बोला राम यहां पर बैठता है पर हमारा आदमी नहीं है पुलिस ऑफिसर अतुल सानप अपनी टीम के साथ स्पा के मालिक रोशन शेट्टी व महिला को अंबोली पुलिस स्टेशन लेकर गए, जहां पर उनके ऊपर कार्यवाही की गई और केस दर्ज किया गया। राम (दलाल) अभी भी फरार है, पुलिस ने राम को फरार दिखाया है। अंबोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सोमेश्वर कामठे व उनकी टीम ने हमारी टीम को पूरा सहयोग किया।

एक करोड़ की चरस के साथ 75 वर्षीय महिला समेत दो ड्रग पेडलर्स गिरफ्तार

पुलिस ने रविवार को इस बारे में बताया। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई अपराध शाखा यूनिट-7 के अधिकारी को गुप्त सूचना मिली थी कि बांद्रा पश्चिम के वॉटर फील्ड रोड, चिंचवाड़ी, साने गुरुजी सेवमंडल के पास एक 55 वर्षीय शख्स चरस बेचने के लिए आने वाला है। जिसके बाद क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने जाल बिछाकर आरोपी को धर दबोचा। आरोपी के पास से पुलिस ने 7 गोले चरस के बरामद किए हैं। जब आरोपी से पूछताछ हुई कि वो चरस कहां से लाया था और किसको बेचने जा रहा था, तो आरोपी ने बताया कि उसने इसे एक महिला से लिया था। जिसके बाद क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने 75 वर्षीय महिला के घर जाकर छापेमारी की और उसके घर से 3 किलो 800 ग्राम मनाली चरस बरामद की। दोनों ड्रग पेडलर को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद कोर्ट ने दोनों को 27 मई तक क्राइम ब्रांच की कस्टडी में भेज दिया।

महाराष्ट्र में 18 से 44 उम्र के लोगों की वैक्सीनेशन ड्राइव पर लगी रोक

सीएम ठाकरे ने दिया सप्लाई में कमी का हवाला

स्वतंत्र सागर/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने 18 से 44 साल के लोगों के वैक्सीनेशन ड्राइव पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य में वैक्सीन सप्लाई की कमी का हवाला देते हुए फिलहाल के लिए इस ऐज ग्रुप के लिए टीकाकरण को टाल दिया है। सीएम ठाकरे ने रविवार को बच्चों के डॉक्टर के साथ बातचीत करते हुए बताया, मुझे उम्मीद है कि जून महीने से वैक्सीन के प्रॉडक्शन की क्षमता बढ़ जाएगी। उसके बाद से हम प्रदेश में 24 घंटे की वैक्सीनेशन ड्राइव शुरू कर सकते हैं। केंद्र सरकार के दावे के अनुसार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास अभी एक करोड़ 90 लाख वैक्सीन की डोज उपलब्ध है। और साथ ही अभी तक 21 करोड़ 80 लाख डोज मुहैया कराई जा चुकी है। हालांकि केंद्र सरकार के इन दावों के बीच कर्नाटक और दिल्ली जैसे राज्यों ने भी वैक्सीन की सप्लाई का हवाला देते हुए 18 से 44 ऐज ग्रुप के लिए वैक्सीन की सप्लाई रोक दी है।

'टीका लगवाने के बाद भी मास्क पहनें'

टीका लगाने के बाद मास्क नहीं लगाने की खबरों पर विराम लगाते हुए हुए सीएम ने कहा कि कोरोना का टीका लगवाने के बाद भी मास्क लगाना अनिवार्य है। कुछ जिलों में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ी है, लेकिन क्यों बढ़ रही है? इसका पता लगाना जरूरी है। नए म्यूटेंट का फैलाव भी रोकना होगा। राज्यभर में कोरोना से निपटने के लिए मुंबई मॉडल के तहत काम करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन राज्य के ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत है।

महाराष्ट्र को लॉकडाउन में मिल सकती है थोड़ी राहत, उद्धव ने किया इशारा

कोंकण दौरे पर गए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लॉकडाउन में थोड़ी छूट के संकेत दिए हैं। शुक्रवार को सीएम उद्धव ने कहा कि कोरोना के वर्तमान हालात को लेकर जल्द ही समीक्षा बैठक होगी। बैठक में सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद संचारबंदी में ढील देने के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। सिंधुदुर्ग में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम उद्धव ने कहा कि पिछले महीने की तुलना में कोरोना के मरीजों की संख्या कम हुई है, लेकिन ऑक्सिजन की आवश्यकता वाले मरीजों की संख्या कम नहीं हो रही है। कोरोना की तीसरी लहर के खतरे को देखते हुए ऑक्सिजन की पर्याप्त उपलब्धता जरूरी है। राज्य में 1 जून की सुबह 7 बजे तक संचारबंदी लागू है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में पहले 80,000 मरीजों को ऑक्सिजन की जरूरत पड़ रही थी। अब 65,000 से 70,000 मरीजों को ऑक्सिजन लगाना पड़ रही है, इसलिए प्रतिदिन 3,000 मीट्रिक टन ऑक्सिजन उत्पादन क्षमता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

ऐंटि करप्शन ब्यूरो ने 2 पुलिस अधिकारियों को किया अरेस्ट, रिश्वत लेने का है आरोप

मुंबई। ऐंटि करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की मुंबई यूनिट के रिश्वखोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ऐंटि करप्शन ब्यूरो ने दो पुलिस अधिकारियों को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पुलिस अधिकारी धारावी पुलिस स्टेशन में कार्यरत थे। एसीबी के मुताबिक, आरोपी पुलिस अधिकारियों के नाम पीएसआई अमोल गाडे (27) और एपीआई प्रभाकर जोशी (44) हैं। अमोल के खिलाफ 10 हजार रुपये, जबकि प्रभाकर के खिलाफ 15 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप है। बताया जा रहा है कि एक आरोपी से जब्त 40 हजार रुपये के सामान को वापस करने के लिए अमोल ने 10 हजार रुपये की मांग की थी, जिसे उस आरोपी ने देने से इनकार कर दिया और इसकी सूचना एसीबी को दे दी। वहीं, दूसरे मामले में एक आरोपी को तड़ीपार नहीं करने के लिए एपीआई प्रभाकर जोशी ने 15 हजार रुपये मांगे थे। इस आरोपी ने भी एसीबी को इसकी जानकारी दे दी। इसके बाद एसीबी ने जोशी को अरेस्ट किया।

कमला लाइफसाइंस लिमिटेड कंपनी का कर्मचारी खुद ही कर रहा था रेमेडीसीवर की कालाबाजारी

कंपनी के कर्मचारियों से 63 रेमेडेसीवीर इंजेक्शन जब्त किए गए हैं, पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है

संवाददाता

तारापुर/बोईसर। तारापुर एमआईडीसी के कमला लाइफ साइंस के कर्मचारी ने कोरोना काल मे इंसानियत को तार तार करने का काम किया कोरोना की वजह से बाजार में रेमेडेसीवीर इंजेक्शन का भारी मात्रा में मांग है लोग अपने को बचाने के लिए किसी भी कीमत पर इंजेक्शन खरीदने को तैयार हैं ऐसे में इस दुष्काल में कमाई का अवसर तलाशने वाले सिद्धेश पाटिल जो मूल रूप से उमरोली जिला पालघर महाराष्ट्र का निवासी है जो लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर ऊंचे दामों में राज्य में रेमेडेसीवीर का गोरखधंधा करता था कमला लाईफ साइंस कम्पनी से गुपचुप तरीके से रेमेडेसीवीर का इंजेक्शन चोरी से निकाल कर बेचने का काम करता था नासिक पुलिस ने इस पूरे वाकया का खुलासा किया। महाराष्ट्र के अन्य जिलों में अवैध रूप इंजेक्शन बेची जा रही थी, नासिक पुलिस कड़ी को जोड़ते हुए खोज बीन शुरू किया तो इसका तार पालघर जिले से जुड़ता दिखाई दिया। जानकारी के आधार पर पालघर बोईसर के उमरोली गाँव निवासी कमला लाइफ साइंस कंपनी में काम करने वाले युवक सिद्धेश पाटिल को पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया गया है। जांच के बाद इस रहस्य से पर्दा उठेगा कितने लोग और इसमें शामिल है जबकि सबसे बड़ा सवाल यह है इंजेक्शन कंपनी के बाहर कड़ी सुरक्षा के बीच कैसे गया और इसे कैसे वितरित किया गया इतने बड़े पैमाने पर काला बाजारी करने में कितने लोगों का हाथ काला है, फिलहाल कंपनी प्रबंधन ने इस बारे में बात करने से इनकार कर दिया है। राज्य में रेमेडेसीवीर इंजेक्शन की अत्यधिक मांग थी कमला लाईफ साइंस कम्पनी के कर्मचारियों से पूछताछ पुलिस द्वारा किया जा रहा है।

पत्रकार सुनील तिवारी को मातृशोक

मुंबई। मुंबई से यूपी तक की पत्रकारिता करने वाले पत्रकार सुनील तिवारी की माता श्रीमती सरोजा देवी (52) का निधन शुक्रवार को हो गया, जोकि पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रही थी। अपने पीछे पति सतीश तिवारी के साथ 3 बेटे-बहू व नाती-नातीन सहित पूरा संयुक्त परिवार छोड़ गई। उनके मुंबई (डोंबीवली) निवास स्थान से विधिनुसार दाह-संस्कार (अंत्येष्टि) जहां 'रामनगर मोक्ष धाम' में ज्येष्ठपुत्र सुनील तिवारी के हाथों मुखाग्नि से संपन्न हुआ, वहीं सोमवार को सुबह अस्थि विसर्जन संगम तीर्थ में गांव-समाज के विद्वत बुजुर्गों की उपस्थित में किया जाएगा। इसके बाद वैदिक नियमानुसार तेरह दिवसीय क्रियाकर्म सरस्वती सदन, अकोढ़ा-रोही, भदोही (उप्र) गांव निवास स्थान पर जारी रहेगा। इस दौरान 'पत्रकार विकास संघ' के अध्यक्ष आनंद मिश्र, महासचिव अजय सिंह, सलाहकार सुनील सिंह सहित सैकड़ों पत्रकार बंधुओं व समाजसेवी वर्ग सहित राजनेताओं द्वारा शोक प्रकट करते श्रद्धांजलि देने का सिलसिला जारी है।

टीकाकरण पर विवाद

सीरम ने कार्यकारी निदेशक के बयान से खुद को किया अलग, कहा- यह कंपनी का विचार नहीं

नई दिल्ली। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने अपने कार्यकारी निदेशक के बयान से खुद को अलग कर लिया है जिसमें उन्होंने कहा कि सरकार ने उपलब्ध भंडार पर विचार किए बगैर विभिन्न आयु वर्ग के लिए कोविड-19 का टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया। एसआईआई ने कहा कि यह कंपनी का विचार नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को 22 मई को लिखे पत्र में पुणे स्थित एसआईआई में सरकार और नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने स्पष्ट किया कि हाल में एक समारोह में इसके कार्यकारी निदेशक सुरेश जाधव द्वारा दिया गया बयान कंपनी का बयान नहीं है। यह जानकारी सूत्रों ने दी। उन्होंने पत्र में कहा कि अपने सीईओ अदार सी. पूनावाला की तरफ से मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि यह बयान एसआईआईपीएल (सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) की तरफ से जारी नहीं किया गया है और इस बयान से कंपनी खुद को अलग करती है।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को है विश्वास, प्रधानमंत्री करेंगे मदद

मुंबई। चक्रवाती तूफान से हुए नुकसान का मुआयना करने के बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले की महाराष्ट्र के दौरे पर नहीं आए, लेकिन मुझे विश्वास है कि वे महाराष्ट्र के प्रभावित लोगों की मदद जरूर करेंगे और जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। बातचीत के दौरान उन्होंने बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री संवेदनशील हैं और वे विपक्ष के नेता नहीं हैं। नुकसान को लेकर मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक की। बैठक में रत्नागिरी के पालक मंत्री अनिल परब, राहत और पुनर्वास मंत्री विजय वडेट्टीवार तथा उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत प्रमुख रूप से उपस्थित थे। चक्रवात की वजह से रत्नागिरी जिले की पांच तहसीलों में भारी नुकसान हुआ है। चक्रवाती तूफान से हुए नुकसान की समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कोरोना संकट के चलते तौकते चक्रवात ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। विपक्ष के नेता दो दिन से कोकण दौरे पर हैं, जबकि मुख्यमंत्री चार घंटे के दौरे पर? इस पर ठाकरे ने अप्रत्यक्ष रूप से पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे हेलीकॉप्टर से मुआयना करने नहीं आए, जमीन पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि वे विपक्ष का उत्तर देने नहीं आए हैं। बल्कि कोकण के लोगों को दिलासा देने आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं फोटो सेशन करने के लिए नहीं आया हूं।

महाराष्ट्र का पहला गांव जहां 45 प्लस वाले सभी लोगों को लगी वैक्सीन

मुंबई। कोरोना महामारी के सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र में वैक्सीनेशन की रफ्तार देश के अन्य राज्यों से काफी ज्यादा तेज है। टीकाकरण को बढ़ाने के सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। राज्य में लगातार वैक्सीनेशन ड्राइव को भी बढ़ाया जा रहा है। हालांकि वैक्सीन की किल्लत के चलते राज्य में टीकाकरण अभियान में भी रुकावटें आ रही हैं। लेकिन महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक अलग तस्वीर देखने को मिली है। अमरावती के मेलघाट इलाके के चिंचखेड़ गांव अब राज्य का ऐसा गांव बन गया है जहां 45 साल से अधिक उम्र के सभी लोगों का वैक्सीनेशन किया जा चुका है। आपको बता दें कि यह गांव एक आदिवासी इलाके में मौजूद है। आपको जानकर हैरानी होगी कि शुरुआती दौर में अफवाहों के चलते यहां पर वैक्सीन लगवाने को लेकर लोगों के अंदर डर का माहौल था। हालांकि गांववालों की सूझबूझ और स्वास्थ्य कर्मियों सहित प्रशासन द्वारा चलाये गए जागरूकता अभियान का गांव वालों पर जबरदस्त असर हुआ और बिना किसी डर के गांववाले वैक्सीन लेने लगे। पहले जहां लोग वैक्सीन लगवाने में हिचक रहे थे बाद में उन्हीं ग्रामीणों ने टीकाकरण अभियान में जमकर हिस्सा लिया। इस गांव की जनसंख्या की बात करें तो यहां 604 लोग रहते हैं जिनमें से 45 साल से ज्यादा उम्र के 136 महिला और पुरुष हैं। गांववालों इन दिनों इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्होंने एक नई मिसाल कायम की है और उन्हें देखकर अब आसपास के गांववाले भी वैक्सीन लगवाने में जुटे हैं। इसी बीच गांव में 18 से 45 साल वालो का टीकाकरण बंद है और लोगो का कहना है कि जैसे ही यह टीकाकरण शुरू होगा उसमें में गांव वाले बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे और उसी जोश और जज्बे के साथ 18 से 45 साल वाले भी वैक्सीन लगवाएंगे। चिंचखेड़ गांव की यह उपलब्धि फिलहाल चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

दिग्गज संगीतकार रामलक्ष्मण का 78 साल की उम्र में निधन

मुंबई। राजश्री प्रोडक्शंस की ब्लॉकबस्टर फिल्मों- 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन', और 'हम साथ साथ हैं' में अपने काम के लिए जाने जाने वाले दिग्ग्ज संगीत निर्देशक रामलक्ष्मण का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। संगीतकार, जिनका असली नाम विजय पाटिल था, का शनिवार तड़के नागपुर में उनके आवास पर निधन हो गया। उनके बेटे अमर ने यह जानकारी दी। बताया, उन्होंने छह दिन पहले कोविशील्ड की दूसरी खुराक ली थी। उस समय कोई समस्या नहीं थी... लेकिन जब वह घर आए तो उन्हें कमजोरी हो गई। उनकी सेहत खराब होने लगी। डॉक्टर उनका घर पर उपचार कर रहे थे। शनिवार तड़के दो बजे के करीब उनका निधन हो गया। उनका हृदय गति रुक गया। पाटिल, जिन्हें सिनेमा प्रेमी संगीतकार जोड़ी 'राम-लक्ष्मण' के 'लक्ष्मण' के रूप में जानते हैं, ने मराठी अभिनेता-हास्य अभिनेता दादा कोंडके की 1975 की फिल्म 'पांडु हवलदार' के साथ फिल्मों में अपनी यात्रा शुरू की।

वर्क प्लेस पर अब कर्मचारियों के परिजनों का भी होगा टीकाकरण

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को घोषणा की कि औद्योगिक और कार्यस्थल टीकाकरण केंद्रों पर कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों और आश्रितों को भी शामिल किया जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में कहा कि औद्योगिक और निजी कार्यस्थल सीवीसी (कोविड-19 टीकाकरण केंद्र) के लिए टीके की खुराक उन निजी अस्पतालों को खरीदनी होगी जिनके साथ संबंधित नियोक्ता जुड़ा हुआ है। मंत्रालय ने पत्र में कहा, श्रमिकों के परिवार के उन सदस्यों और आश्रितों को भी औद्योगिक सीवीसी और कार्यस्थल सीवीसी में कोविड-19 टीकाकरण में शामिल किया जा सकता है जिन्हें संबंधित नियोक्ताओं द्वारा उल्लेखित किया गया हो। इसमें कहा गया है कि सरकारी कार्यस्थल सीवीसी के लिए 45 वर्ष या उससे अधिक आयु के लाभार्थियों को केंद्र द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आपूर्ति की जाने वाली मुफ्त टीके की खुराक के माध्यम से शामिल किया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि हालांकि, 18 से 44 वर्ष आयुवर्ग के लाभार्थियों को टीके निर्माताओं से संबंधित राज्य या केंद्रशासित प्रदेश सरकारों द्वारा सीधे खरीदे गए टीके की खुराक के माध्यम से शामिल किया जा सकता है।

बुलढाणा हलचल

बुलडाणा जिले में दस मिनट में मिलेगी पुलिस की मदद

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। किसी भी स्थान पर अड़चन में होने वाले नागरिकों को तुरंत सहायता देने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से शीघ्र आपदाकालीन सेवा शुरू की जा रही है। 112 नंबर डायल करने पर दस मिनट में पुलिस वहां मदद के लिए पहुंच जाएगी। इसके हालांकि, बुलडाना जिले में अभी तक अधिकारियों और पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण शुरू नहीं किया गया है। महिंद्रा कंपनी के अधिकारी 24 मई से बुलडाणा जिले में पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देंगे। इस पहल के तहत जिले के लगभग 33 थानों में वाहनों को तैनात किया जाएगा। वाहन जीपीएस सिस्टम से लैस होंगे। दुर्घटना, आपात स्थिति में पीड़ित व्यक्ति कंट्रोल रूम में 112 डायल कर तत्काल मदद मांग सकता है। जीपीएस के माध्यम से कंट्रोल रूम सिस्टम पर घटना स्थल से घटना स्थल से पीड़ित के सबसे नजदीक पुलिस वाहन की सूचना तत्काल उपलब्धता को

प्राथमिकता दी जाएगी ताकि पीड़ित या संकटग्रस्त व्यक्ति तक पहुंचा जा सके। जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया ने कहा कि सेवा जल्द ही शुरू होगी। इस अभियान से पुलिस के लिए जरूरतमंदों तक पहुंचना और मदद पाना संभव होगा। इससे संकट में फंसे व्यक्ति को दस मिनट में मदद मिलेगी। सभी वाहनों में जीपीएस यंत्रणा कार्यान्वित रहेगी। 112 नंबर पर संपर्क करने पर संबंधितों का तुरंत लोकेशन पता चलेगा। इससे तुरंत सहायता करने में आसानी होगी। वर्तमान में डायल 112 योजना के तहत जिले में 5 वाहन उपलब्ध हैं। इसके अलावा अप्रैल माह में जिला योजना समिति के तहत बुलडाना पुलिस बल के लिए 1 करोड़ 25 लाख 25 हजार रुपये मूल्य के 35 वाहन खरीदे गए हैं। इसमें 16 चौपहिया और 19 दोपहिया वाहन शामिल हैं, लेकिन क्या इन वाहनों का इस्तेमाल डायरेक्ट डायल 112 योजना के लिए किया जाएगा या नहीं? इसको लेकर असमंजस की स्थिति है। अगले सोमवार से बुलडाना जिले के चयनित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महिंद्रा कंपनी के अधिकारी प्रशिक्षण देंगे।

कॉल आते ही लोकेशन की जानकारी

अड़चनों में अटके नागरिक, पीड़ितों ने मोबाइल नंबर से 112 क्रमांक डायल करने पर फिलहाल पीड़ित कहां पर है, किस जिले में, किस तहसील में, पुलिस थाने का क्षेत्र इसकी जानकारी पल में उपलब्ध होगी। इससे पुलिस तुरंत वहां पर मदद के लिए दाखिल होगी।

रामपुर हलचल

सरकार के आदेशों का सभी व्यापारियों आदि द्वारा पालन किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। उघोग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल की एक बैठक का आयोजन नगरध्यक्ष हाजी मुनव्वर अली के निवास स्थान मोहल्ला हाजीपुरा में की गई अनेकों प्रकार की समस्याओं को लेकर प्रदेश सरकार से मांग करते हुए नगरध्यक्ष हाजी मुनव्वर अली ने कहा कि सरकार के आदेशों का सभी व्यापारियों आदि द्वारा पालन किया गया जिसमें बैठक के दौरान कोरोना कर्फ्यू को वैधता के अनुसार आगे की और न बढ़ाया जाय क्योंकि लाकडाउन के चलते सभी की स्थिति गड़बड़ा कर रह गई है रोजी रोटी का संकट गहराने लगा हैं इसी के चलते बीमारी का इलाज, बिजली का बिल, स्कूल में छात्रों की जमा होने वाली फीस जैसी समस्याओं को लेकर परिवार के पालन पोषण में अनेकों प्रकार की बाधायें उत्पन्न होना शुरू हो गई है आने वाली 25 मई से पूर्ण रूप से बाजारों को खोले जाने की मांग प्रदेश सरकार से की गई है बैठक के दौरान नगरध्यक्ष हाजी मुनव्वर अली, महामंत्री निलेश वर्मा,शरीफ अहमद, मु० जावेद,राहुल पण्डित जी, अजमत अली, हाजी बाबू, अकबर,जुल्फुकार भुटटो, रिवायत अली, रईस सैफी, फैसल, रफीक अकमल मौजूद रहे।

काफी समय से लाइट का तार टूटा हुआ है, कभी भी हो सकता है हादसा

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। नगर के मोहल्ला हाजीपुरा मक्का मस्जिद के पास लाइट का तार काफी समय से अपनी स्थिति को देखते हुए आंसू बहा रहा था अचानक लाइट का तार टूट कर जमीन पर आ गिरा विद्युत को तार से सम्बंधित अवगत भी कराया जा चुका है बाबुजूद इसके तार की समस्या को देखते हुए गम्भीरता के साथ अपने कार्य को अन्जाम न देकर लापरवाही बरती गई है तार टूटे

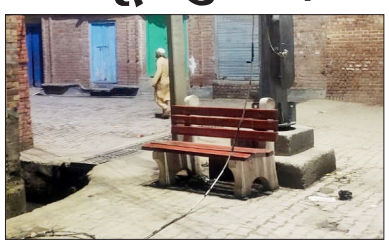

जाने पर एक बड़ा हादसा होने से टल गया उसमें लोगों का आना जाना रास्ते से बन्द था गम्भीर घटना होने के शिकार हादसा टल गया बिजली विभाग द्वारा प्रयासों के चलते गिरे हुए तार की सुध ली जा रही हैं तार के जमीन पर गिरने से भीषण गर्मी के चलते बिजली आपूर्ति ठप्प होकर रह गई थी मोहल्ले वासियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा बिजली बेचैनी से तृस्त लोगों में हा हा कार मच कर रह गया था।

एक शोक सभा का आयोजन मदरसा जामियाइस्लामियां अरबिया रहमानिया में किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा/रामपुर। पशिचमी उत्तर प्रदेश मशहूर हस्ती मोहतमिम व उस्ताद हदीस जमीअतउल्माहिन्द के अध्यक्ष अमीरूल हिन्द मौलाना कारी सय्यद मुहम्मद उस्मान मन्सूरपुरी के देहान्त को लेकर एक शौक सभा का आयोजन मदरसा जामियाइस्लामियां अरबिया रहमानिया में किया गया मुफ्ती मु० अशरफ अली ने अपने इजहार ताजियत करते हुए कहाँ कि कारी मु०उस्मान साहब का देहान्त दारूल उलूम दियोबन्द एवं पूरी मिल्लत के लिए एक अजीम व अपनी जात में एक अन्जुमन थे बखूबी अपनी जिम्मेदारियों को निभाया कारी साहब की बहुत सारी जिम्मेदारियों को याद किया जाता रहेगा जामिया के प्रबंधक व शहर काजी मौलाना जलीस अहमद ने कहा कि कारी साहब की पूरी ज़िन्दगी उसूली थी उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी अन्जाम देते हुए निभाया बाद में शहर काजी मौलाना जलीस ने दुआ कराई उपप्रबंधक कारी अ० माजिद,मास्टर सईदुलजफर, मौलाना सुलैमान, मुशर्रफ अली, निजामुददीन, मौलाना यूनुस, मुफ्ती लईक,मौलाना सगीर, मौलाना अनीस, कारी इफ्तिखार, मास्टर जहूर, हाफिज अशरफ, हाफिज अ० वाजिद, मौलाना रफीउददीन आदि मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को एक पत्र प्रेषित किया

संवाददाता नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। उघोग व्यापार मण्डल युवा के जिलाध्ययक्ष अनिल अग्रवाल ने प्रदेश के मुखिया के योगी आदित्यनाथ जी को एक पत्र प्रेषित करते हुए मांग की गई है कि कोविड 19 की दूसरी लहर के कारण प्रदेश का समस्त उघोग एवं व्यापार पूरी तरह से चौपट व त्रस्त होकर रह गया है इस समय प्रदेश में शादी विवाह का सीजन चल रहा हैं दुकानें आदि बन्द होने के चलते लड़की एवं लड़का पक्ष दोनों को सामान खरीदे जाने में अनेकों प्रकार की बाधायें उत्पन्न होने के चलते भोजन जलपान व आभूषणों के खरीदी न होने से लोग परेशान हाल है दिक्कतों को देखते हुए शादियां केंसिल होती नजर आ रही हैं समाज में सभी वर्ग के लोगों को कष्टदायक है प्रदेश सरकार से अनुरोध के आधार पर प्रदेश में कही भी बाजार बन्द न कराये जाने की मांग के साथ साथ यह भी कहा गया है कि बाजार का बन्द कराया जाना बहुत ही आवश्यक है तब ऐसी दशा में प्रतिदिन सुबह शाम चार घन्टा बाजार खोले जाने की अनुमति देकर व्यवस्था की जाय जिससे कि प्रदेश वासियों को सामान आदि के खरीदे जाने में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े मांग पत्र पर युवा जिलाध्यक्ष विपुल गुप्ता व जिलाध्यक्ष अनिल अग्रवाल व जिला मंत्री अ० समद, जिला महामंत्री सुरेश बाबू गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष केशव गुप्ता के सहयोग के चलते हस्ताक्षर मौजूद हैं।

समस्तीपुर हलचल

समस्तीपुर के ट्री मेन ने दूसरा चिपको आंदोलन मध्य प्रदेश के बक्सवाहा जंगल को बचाने के लिए किया शुरू

समस्तीपुर। मध्य प्रदेश के बक्सवाहा के जंगल काटने के आदेश को सुनकर समस्तीपुर के ट्री मैन के नाम से विख्यात राजेश कुमार सुमन ने कहा कि अगर चिपको आंदोलन दोहराने की आवश्यकता पड़ेगा तो हम इस के लिए तैयार हैं। लॉकडाउन समाप्त होते ही बक्सवाहा जंगल, छतरपुर के लिए कूच करेगें। इस प्राकृतिक ऑक्सीजन फैक्ट्री को बर्बाद होते देख नही सकते हैं। इस जंगल को बचाने लिए मुझे शहीद भी होना पड़े तो मैं तैयार हूं। ज्ञात हो कि आज पूरे देश में ऑक्सीजन के लिए हाहाकार मचा है, वहीं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा कृत्रिम हीरा खनन के लिए लगभग 400 हेक्टेयर में फैला छतरपुर के बक्सवाहा जंगल को सफाया करने जा रही है। इसमें 2 लाख 15 हजार पेड़ काटे जाने हैं। हम इस आदेश का कड़ी निन्दा करते हैं।

जिलाधिकारी समस्तीपुर ने चलंत कोरोना जांच वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने चलंत कोरोना जांच वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना।इस वाहन में चार सदस्यीय दल भी है जो हर जगह घूमघूम कर कोरोना जांच करने का काम करेंगे और सदर अस्पताल में सूचना देते रहेंगे। इस मौके पर सिविल सर्जन सत्येंद्र प्रसाद गुप्ता सदर उपाधीक्षक हेमंत कुमार सिंह, डीपीएम अस्पताल प्रबंधक सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

कर्पूरी बस पड़ाव में सामुदायिक किचन का संचालन, अब कोई भूखा नहीं रहेगा

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। कॅरोना महामारी को देखते हुए सरकार के आदेशों का पालन करते हुए जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने जारी किया आदेश सामुदायिक किचन का। इस सामुदायिक किचन का मुख्य उद्देश्य यह है कि जितने भी लाचार, बे बस, गरीब तबके के लोग है, तीनों तीनों वक्त भोजन मिल सके। इस सामुदायिक किचन में सेनेटाइज के पुख्ता इंतजाम किए गये हैं और साथ मे एक बार में लगभग पचास लोग खाना खाने को बैठते है। खाना खाने के बाद कर्म बद्ध तरीके से लो गों को पूरी तरह सेनेटाइज कर के अंदर टेबल पर बैठाया जाता है। ये सरकार की काफी अच्छी व्यवस्था है। इस महामारी में गरीब असहाय लोग भूखे नहीं रहेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन 8 कारणों से आपको खाने चाहिए सफेद चने

शाकाहारियों के लिए चना प्रोटीन का एक अच्छा स्रोत है। दालों का जिक्र करते ही चने का नाम अपने आप आ जाता है। यहां इसका स्वाद मुंह में पानी ला देता है, वहीं इसका सेवन सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। प्रोटीन हमारे शरीर के लिए जरुरी पोषक तत्व है। चना में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। इसलिए यह प्रोटीन का राजा भी कहलाता है। इसमें 12 से 15 ग्राम प्रोटीन होता है। चना खाने से शरीर में फूर्ति बनी रहती है। आइए जानते हैं कि इसमें कौन-कौन से गुण छिपें हैं।

1. मैगनीज का भंडार
चने में कॉपर और मैगनीज पाया जाता है जो खून के लगातार बहाव में मदद करता है। इसे खाने से शरीर का तापमान सही बना रहता है।

2. एनीमिया से बचाव
चना आयरन का एक बहुत अच्छा स्रोत है। इसके सेवन से एनीमिया की समस्या नहीं होती। इसलिए डॉक्टरस बच्चों में खून की कमी होने पर, प्रेग्नेंट और ब्रेस्टफीडिंग लेडीज को चने खाने की सलाह देते है।

3.वजन घटाता है
चना फाइबर का पावर हाउस होता है। यह भूख को कट्रोल करता है और इसे खाने के काफी समय बाद भी आपका एनर्जी लेवल हाई रहता है जिससे आप का वजन घटने लगता है।

4. फॉस्फोरस
चने में लगभग 28 प्रतिशत फॉस्फोरस होता है। यह शरीर में नई कोशिकाएं बनाने में सहायक होते हैं यह हीमोग्लोबीन की मात्रा बढा कर किडनी में एकस्ट्रा पदार्थो को साफ करते हैं। इसलिए किडनी की सेफ्टी के लिए चने का सेवन बहुत लाभकारी होता है।

5. कोलेस्ट्रॉल घटाए
चना शरीरी में कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक होता है। यह आंत में पित्त के साथ मिलकर खून में बढे.हुए कोलेस्ट्रॉल के कम करने में मदद करता है।

6. ब्लड प्रेशर पर करें कंट्रोल
हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों के लिए चना खाना बहुत लाभदायक होता है। चने में मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम की शरीर में रक्त चाप पर कंट्रोल रखने में मदद करते है।

7. पाचन शक्ति बढाता है
चना पाचन और आंत को ठीक रखकर पाचन तंत्र में होने वाले विकारों को दूर करने में मदद करता है। चने में फीटो-न्यूट्रिएंट, उच्च प्रोटीन और विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में होते हैं। जो कब्ज, एसिडिटी, अपचन आदि आंत में होने वाली समस्याओं से बचाते हैं।

8.महिलाओं में हार्मोन
चने का सेवन औरतों की सेहत से जुडी समस्याओं के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह फीटो-न्यूट्रीएंट का बहुत अच्छा स्रोत है। यह हार्मोंज के उतार चढाव को कंट्रोल करता है। इससे स्तन कैंसर का खतरे भी कम रहता है।

मुहांसे हो या स्किन टैन, चेहरे की हर समस्या को जड़ से खत्म करेगा कच्चा दूध

खूबसूरत और ग्लोइंग चेहरा पाने के लिए लोग ना जाने कौन-कौन से ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। मगर जरूरत से ज्यादा कैमिक्ल युक्त चीजों का यूज करने से चेहरा खूबसूरत दिखने की बजाए और खराब होने लगता है। ऐसे में आप घर में पड़ी एक चीज का इस्तेमाल करके चेहरे की हर प्रॉब्लम को दूर कर सकते हैं। वह चीज है दूध।

दूध पीने से ना सिर्फ हड्डियां मजबूत होती है बल्कि यह चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का भी करता है। आज हम आपको बताने जा रहे है कच्चे दूध के आश्चर्यजनक त्वचा लाभों के बारे में जिनसे आप शायद अभी तक अनजान थे।

1. स्किन टोनर
कच्चा दूध ऑयली स्किन वाले लोगों के लिए बहुत बढ़िया स्किन टोनर है। स्किन टोनर बनाने के लिए दूध मे नींबू का रस मिलाकर 15 मिनट तक गर्दन पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो चेहरा गर्म पानी से धो लें। ऐसा करने से स्किन सॉफ्ट बनी रहेगी।

2. एंटी टैनिंग
गर्मियों में स्किन टैन होना आम सी बात है। स्किन टैन होने पर चेहरा काला पड़ा जाता है। स्किन टैन रिमूव करने के लिए आप दूध का इस्तेमाल कर सकते हैं। पैक बनाने के लिए 5 से 6 बादाम को दूध में 1 घंटे के लिए भिगोकर रखें। फिर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर 15 मिनट लगाने के बाद हल्का-हल्का रगड़कर उतारें।

3. गोरी स्किन
गोरी स्किन पाने के लिए लोग क्या कुछ नहीं करते। मगर उनसे कोई फायदा नहीं होता है। ऐसे में आप दूध में चंदन पाउडर मिलाकर चेहरे और गर्दन पर लगा सकते हैं। लगातार कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

4. मुंहासों से राहत
मुंहासों की समस्या से हर 3 व्यक्ति परेशान है। इससे राहत पाने के लिए 2 चम्मच मुलतानी मिट्टी में दूध और गुलाबजल मिलाकर लगाएं। रोजाना इस पेस्ट को लगाने से आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

5. ग्लोइंग फेस
चेहरे पर ग्लो लाने के लिए दूध के साथ चीनी मिक्स करके लगाएं। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपके चेहरे पर निखार आने लगेगा।

नाखूनों पर बेबी स्कैन नेल आर्ट की काफी बढ़ रही है डिमांड

सुंदर दिखना पर एक की चाहत होती है। लोग सुंदर दिखने के लिए तरह -तरह की तरीके अपनाते हैं। अपने चेहरे से लेकर बालों, पैरों और हाथों तक का हम खूब ख्याल रखते हैं। ऐसे में हाथों की खुबसूरती को बढ़ाने के लिए नाखुनों को कैसे भूल सकते हैं? हाथों की खूबसूरती बढ़ाने में नाखुन बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। नाखूनों को नेल आर्ट के जरिए सुंदर अट्रैक्टिव दिखाया जा सकता है। इससे आपके नाखून सुंदर हो जाते हैं। पहले नाखूनों पर नेलपेंट से फ्लावर या कलरफुल डिजाइन बनाया जाता था, लेकिन अब नेल-आर्ट का ट्रेंड थोड़ा बदल रहा है। अब नाखुनों तरह -तरह की शेप देने का ट्रेंड है। आजकल सोशल मीडिया पर इन दिनों नाखून की एक तस्वीर वायरल हुई है, जिसमें नाखूनों पर इस तरह का नेल आर्ट किया गया है कि वो दांत जैसे दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह के कंमैट कर रहे हैं। यह इतनी अजीब नजर आ रही है कि लोग इसका मजाक उड़ा रहे हैं। एक व्यक्ति ने लिखा है कि मैं

भी एक प्रमाणित नेल आर्टिस्ट हूं, हम भी अपने कस्टमर के नाखूनों पर एक्रेलिक नेल आर्ट करते हैं, लेकिन इस तरह हम अपने कस्टमर के नाखूनों के साथ छेड़-छाड़ नहीं करते। हम चाह कर भी उनके नाखूनों पर ऐसा नेल आर्ट नहीं कर सकते क्योंकि ये देखने में बहुत बुरा है। नेल आर्ट नाखुनों को सजाने की कला है। आजकल आर्टिस्ट ऐसा डिफरैंट और यूनिक नेल आर्ट करने लगे हैं जो लोगों को अपना दिवाना बना दें। ऐसी ही कला हमें पिछलें महीने देखने को मिली जिसमें सारा क्लार्क नाम की एक नेल आर्टिस्ट ने एक क्लाइंट के नाखून पर बेबी स्कैन को दिखाया है। उन्होंने बताया कि नाखूनों पर एक्रेलिक लगाकर इस तरह की पेंटिंग को बनाया गया है। सारा का मानना है कि इस नेल आर्ट में बहुत से इमोशन छुपे हैं, और ये नेल आर्ट उन महिलाओं के लिए है जो किसी कारण अपने बच्चों को खो चुकी हैं। सारा ने बताया कि क्लाइंट पर किया गया उनका ये नेल आर्ट लोगों को काफी पंसद आया है और लोग इसकी काफी डिमांड करने लगे हैं।

1 हफ्ते में झाइयों को दूर करने के सफल और असरदार घरेलू नुस्खे!

खूबसूरत और बेदाग चेहरा किसे पसंद नहीं होता। मगर धूल-मिट्टी या फिर किसी अन्य कारण से चेहरे पर झाइयां पड़ जाती हैं जो इंसान की पूरी पर्सनैलिटी को खराब कर देते हैं। ऐसे में चेहरे पर पड़ी झाइयों को दूर करने के लिए लोग कई तरह के ब्यूटी ट्रीटमेंट्स का सहारा लेते हैं लेकिन इनसे कई बार साइड-इफैक्ट भी हो जाता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके झाइयों को 1 हफ्ते में गायब कर सकते हैं।

1.शहद और नींबू का रस– झाइयों को दूर करने के लिए शहद और नींबू के रस का एक पेस्ट बनाएं। 1 चम्मच शहद में 5 बूंदे नींबू के रस की मिला कर चेहरे पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो चेहरा धो लें। ऐसा करने से 1 हफ्ते में आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

2. गुलाब जल और चंदन पाउडर– चेहरे पर पड़ी झाइयों से राहत पाने करने के लिए 1 चम्मच गुलाब जल में 2 चम्मच चंदन पाउडर मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को आधे घंटे के लिए चेहरे पर लगाने के बाद ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में 4 बार इस पेस्ट को लगाएं।

3. नींबू और पानी– नींबू में नैचुरल ब्लीचिंग गुण होते हैं तो जो झाइयों को गायब करने में सहायक है। दो चम्मच नींबू के रस में 4 चम्मच पानी मिलाकर झाइयों पर 1 घंटा लगाएं। हफ्तेभर में दाग-धब्बों से छुटकारा मिलेगा।

4. एलोवेरा– एलोवेरा भी स्किन के दाग-धब्बों को दूर भगाने का काम करता है। ताजी एलोवेरा को चेहरे पर कम से कम 15 मिनट तक लगाने के बाद ठंडे पानी से धो लें। एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करने से कुछ ही दिनों में चेहरा बेदाग और गोरा होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

करीना ने शादी के कई साल बाद किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड का मशहूर कपल करीना कपूर और सैफ अली खान की काफी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। वैसे इस बात में कोई शक नहीं जितना ज्यादा बॉलीवुड के सबसे फेवरिट और पॉप्युलर कपल्स रहे तो इनकी लव स्टोरी ओरो से कुछ हट कर रही। दोनों को फिल्म टशन के वक्त प्यार हुआ इसके बाद दोनों ने एक दूसरे को काफी लम्बे वक्त तक डेट किया और साथ में लिव-इन में रहे और फाइनली दोनों ने शादी कर ली। लेकिन दोनों के बीच में एक समय ऐसा भी था जब सैफ अली खान और करीना कपूर दोनों एक दूसरे से कुछ ज्यादा बात नहीं करते थे। करीना ने बताया है कि तब सैफ उन्हें कैसे ट्रीट करते थे। हाल ही में करीना कपूर खान ने इस बात से राज खोला की 'ओमकारा' की शूटिंग के वक्त सैफ और उनके बीच केवल काम से जुड़ी हुई बातें ही होती थी,उन्होंने बताया कि सैफ आकर उन्हें बस गुड मॉर्निंग कहा करते थे। इस दौरान करीना ने जो मजेदार बात बताई वो यह थी कि करीना ने बताया सैफ उनके पास आकर 'गुड मॉर्निंग मैम' कहते थे। उन्होंने बताया सैफ हमेशा बेहद शिष्टाचार के साथ लोगों के साथ पेश आते हैं और इसीलिए वह उन्हें भी उसी तरह ट्रीट करते थे। करीना कपूर ने आगे बताया की सैफ की ऐसी पर्सनालिटी है कि कोई भी महिला उन्हें चाहेगी और मेरे साथ भी ऐसा हुआ की रिलेशनशिप में पहला कदम मैंने उठाया।

राधिका आप्टे ने अपने लीक हुए न्यूड वीडियो पर किया खुलासा

फेमस बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे अपने बोल्ड लुक्स और बोल्ड अंदाज के लिए जानी जाती है। वैसे एक्ट्रेस अब तक न सिर्फ हिंदी फिल्मों में बल्कि तमिल, तेलुगु, बंगाली और मराठी फिल्मों में भी नजर आ चुकी है। राधिका आप्टे इंडस्ट्री की सबसे मंझी हुई एक्ट्रेसेस में से एक हैं। एक्टिंग के अलावा वे अपने एक न्यूड सीन लीक होने को लेकर भी चर्चा में रही हैं। सोशल मीडिया पर उनकी कुछ तस्वीरें लीक हुई थीं जिनमें वो शावर के नीचे नहाती हुई नजर आ रही थीं और उन्होंने अपनी बॉडी को सिर्फ एक प्लास्टिक जैसे जालीदार कवर से ढका हुआ था। ऐसे में अब राधिका आप्टे ने एक इंटरव्यू में खुद के कंट्रोवर्सियल न्यूड वीडियो को लेकर बात की है। आपको बता दे जब राधिका का ये वीडियो लीक हुआ था तो एक्ट्रेस को उस समय काफी ट्रोल भी किया गया था। राधिका ने कहा कि उस न्यूड वीडियो में वो नहीं थीं। राधिका ने 2016 में पार्च्ड में एक सेक्स वर्कर की भूमिका निभाई थी और उनके रोल की काफी तारीफ की गई थी। राधिका ने अब एक मैगजीन से बातचीत में कहा कि रजब क्लीन शेव की शूटिंग के दौरान मेरी एक न्यूड क्लिप लीक हुई, तो मुझे बुरी तरह ट्रोल किया गया और इसने मुझे प्रभावित किया। मैं चार दिनों तक घर से बाहर नहीं निकल सकी, इसलिए नहीं कि मीडिया क्या कह रहा था, बल्कि इसलिए कि मेरे ड्राइवर, चौकीदार और मेरे स्टाइलिस्ट के ड्राइवर ने मुझे तस्वीरों से पहचान लिया था।

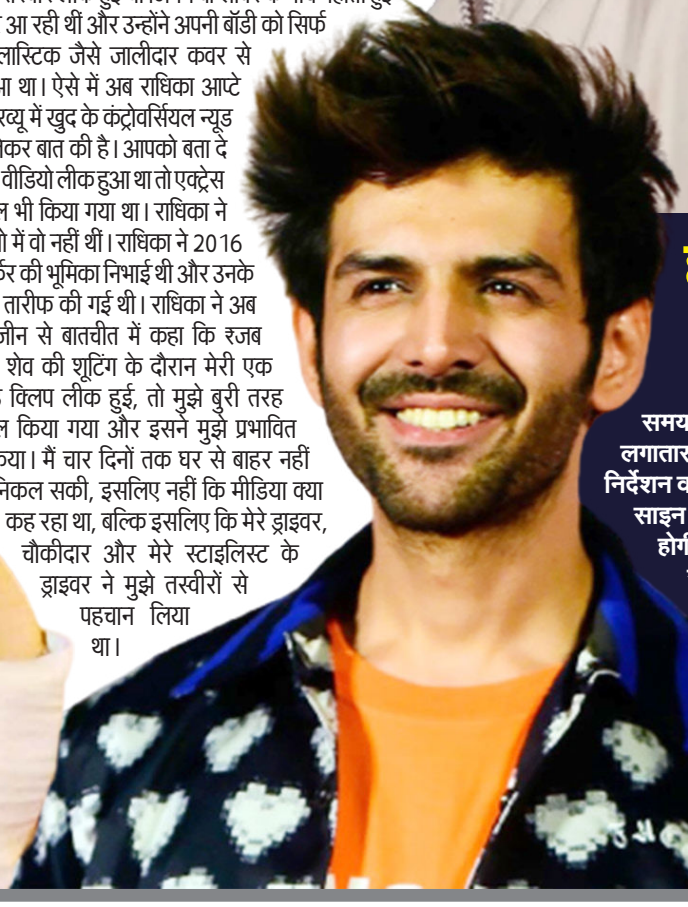

हंसल मेहता की फिल्म में यह किरदार निभाएंगे कार्तिक!

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के उभरते हुए सितारों में से एक है। काफी कम समय में उन्होंने दर्शकों के बीच अपनी एक अलग पहचान बना ली है। वह लगातार नई फिल्में साइन करते जा रहे हैं। खबर है कि उन्होंने हंसल मेहता के निर्देशन वाली अगली फिल्म और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला की एक फिल्म साइन की है। खबरों के मुताबिक, हंसल की आने वाली फिल्म पूरी तरह कमर्शल होगी। यह सच्ची घटना पर आधारित एक देशभक्ति की फिल्म होगी। बताया जा रहा है कि हंसल मेहता की आगामी फिल्म में कार्तिक एक एयरफोर्स पायलट की भूमिका में दिखने वाले हैं। यह एक कमर्शियल फिल्म होगी, जिसमें हंसल का टच देखने को मिलेगा। इस फिल्म में एक राष्ट्रवादी दृष्टिकोण देखने को मिल सकता है। वास्तव में यह फिल्म एक असल जिंदगी की घटना पर आधारित होगी। खबरों के अनुसार कार्तिक फिल्म में एक भारतीय वायुसेना अधिकारी की भूमिका को निभाते दिखेंगे। कहा जा रहा है कि कार्तिक को बचाव अभियान का मुख्य पायलट के रूप में फिल्माया जाएगा।